दिग्गल महाविद्यालय में हिंदी दिवस समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

आज दिनांक 13 सितंबर, 2025 को राजकीय महाविद्यालय दिग्गल में हिंदी दिवस समारोह के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं जिनमें काव्य पाठ प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता तथा सुलेख लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पावन वंदना के साथ हुआ। तत्पश्चात कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. सुनीता शर्मा ने हिंदी दिवस की महत्ता एवं इतिहास के विषय में विद्यार्थियों को बताया। इसके बाद विभिन्न प्रतियोगिताओं का आरंभ हुआ। सर्वप्रथम सुलेख लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की अधिकांश प्रतिभागिता रही। इसमें ममता कौंडल (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने प्रथम स्थान, काजल (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने द्वितीय स्थान तथा तनिषा (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्तयकिया। इसके बाद भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों हिंदी भाषा का महत्ता, सभ्यता संस्कृति के विकास में भाषा की भूमिका तथा हिंदी में रोजगार के विभिन्न अवसरों के विषय पर अपने विचार रखे। इस प्रतियेगिता में तनिषा (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने प्रथम स्थान, स्मृति शर्मा (बी.कॉम. तृतीय वर्ष) ने द्वितीय स्थान तथा काजल (बी.कॉम. द्वितीय वर्ष) ने तृतीय स्थान तथा इसके बाद काव्य पाठ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था। प्रतिभागियों ने कृष्ण की चेतावनी, कृष्ण-कर्ण संवाद, द्रौपदी चीरहरण प्रसंग जैसी प्रसिद्ध कविताओं का पाठ पूर्ण जोश के साथ प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में रूचि (बी.ए. द्वितीय वर्ष) ने प्रथम स्थान, निहारिका (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने द्वितीय स्थान स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. हरप्रीत कौर द्वारा सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ प्रदान की गई तथा विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदी दिवस के अवसर पर हम सभी यह प्रण लेते हैं कि अपनी भाषा के प्रचार एवं प्रसार में बढ़-चढ़कर योगदान देंगे। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन डॉ. सुनीता शर्मा द्वारा किया गया। इस समारोह में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक डॉ. हेतराम, प्रो. धर्मेंद्र कुमार, डॉ. नरेश कुमार,प्रो. ममता शर्मा, डॉ. मिलनप्रीत, प्रो. रीनू शर्मा, प्रो. राहुल, श्री पूर्ण ठाकुर, श्रीमती अंजना देवी, श्री सीताराम कौशल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के पुनीत गायन के साथ हुआ।